भूमिदत्त शर्मा

उपाध्यक्ष, अलवर जिला इकाई
कठूमर (अलवर)

कोविड-19 फंड के लिए राज्य फोरम के महासचिव श्री रामेश्वर प्रसाद शर्मा ने मुझसे फोन पर बात की और राज्य फोरम की ओर से 1 लाख रुपये की राशि एकत्रित करके मुख्यमंत्री सहायता कोष में राज्य के पुरस्कृत शिक्षकों की ओर से भेजी जायेगी। इसी आशय का मैसेज फोरम के ग्रुप में पोस्ट किया। पता लगा कि 1 लाख तो छोटा संकल्प है। बड़ा संकल्प 5 लाख रुपये राशि देने का रखा। प्रारंभ में विशेष कार्य योजना नहीं थी। जब सहायता राशि देने वाले सम्मानित शिक्षकों की संख्या बढ़ने लगी। ऐसी स्थिति में रोज सूचियां कई बार अपडेट करनी पड़ती थी। राशि फंड का लक्ष्य भी बढ़ता गया। राज्य के सभी जिलों के सम्मानित 760 साथियों ने अपना जज्बा दिखाया और 1 लाख के लक्ष्य से प्रारम्भ की गयी सहयोग राशि का टारगेट 11 लाख 21 हजार से ऊपर पहुंच गया।

इस सूची के अपडेट कार्य में मेरे बेटे ने भी पूरा सहयोग किया। मेरे बेटे ने सूचियां बनाने और जमा राशि का अपडेट हिसाब रखने में पूरा सहयोग दिया। वाट्सएप पर सहयोगकर्ता भाई-बहिनों को भी पता लग सके कि उनके द्वारा दी गयी राशि सूची में जुड़ चुकी है।

परिवार के 5 सदस्य एक साथ कोरोना पॉजिटिव आ गये। हमारे लिए वह समय बड़ा मुश्किल से गुजरा। तीन दिन कष्ट के गुजरे। यह सब ईश्वर की कृपा और आप लोगों की मंगलकामनाएँ ही काम आयी। मैंने और परिवार ने कोरोना जंग भी जीती। उन दिनों जिले तथा राज्य के सम्मनित भाई-बहिनों का बहुत उत्साहवर्धन मिला।

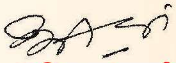

भूमिदत्त शर्मा

विष्णु दत्त शर्मा

अध्यक्ष
जिला इकाई जयपुर

मुझे राज्य फोरम द्वारा कोविड-19 फंड के लिए जयपुर जिले के सम्मानित शिक्षकों से संवाद करने और राशि एकत्रित करने में राज्य इकाई को सहयोग करने के निर्देश राज्य इकाई महासचिव जी ने दिये थे। मुझे पुनीत कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुझे इस कार्य को करने में बड़ा आनन्द आया। सभी सम्मानित साथियों ने सहयोग राशि देने में आनाकानी नहीं की। मार्च-अप्रेल में लॉकडाउन चल रहा था। व्यक्तिगत धनराशि एकत्रित करना बड़ा मुश्किल कार्य था। सभी साथियों को ऑनलाइन राशि राज्य फोरम के खाते में जमा कराने के लिए प्रार्थना की। जयपुर जिले में सम्मानित शिक्षकों की संख्या अधिक होने के कारण पूरे राज्य की अपडेट सूचियों का कार्य देख रहे, अलवर के भूमिदत्त जी शर्मा की सहायता करते हुए जयपुर जिले की जिम्मेदारी उठाई थी। समय का पता ही नहीं चलता था और पूरा ध्यान सूची को अपडेट करने तथा मोबाइल से संवाद करने में ही लगा रहता था। जयपुर जिले के लिए महासचिव जी ने 100 का लक्ष्य दिया था और पता ही नहीं चला। संख्या 124 तक पहुंच गयी।

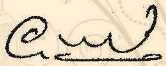

विष्णु दत्त शर्मा